शिक्षा तथा स्वास्थ्य और समाज कल्याण मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द): (क) जी, नहीं।

(ख) परिवार कल्याण कार्यक्रम संबंधी विज्ञापन देहाती इलाकों के समाचार-पत्रों को भी दिए जाते हैं ।

(ग) 1980-81 के परिवार नियोजन कार्यक्रम के लक्ष्य पहले ही निर्धारित किए जा चुके हैं ।

Medical Graduates produced by Indian Medical Institutes

*794. SHRI ZAINAL ABEDIN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) the number of Medical Graduates produced by Indian Medical Institutes during the last three years;

(b) whether it is a fact that certain imbalance between the number of physicians and that of the support-staff produced annually leads many of the physicians to emigrate abroad; and

(c) if so, the remedial measures which Government propose to adopt in this regard?

THE MINISTER OF EDUCATION AND HEALTH AND SOCIAL WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) According to the information available with the Medical Council of India 38043 medical graduates passed out from 1976-77 to 1978-79.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

उदयपुर के लिए रेलवे डिवीजन

*795. **श्री भीखा भाई:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पश्चिम रेलवे में उदयपुर के लिए एक पृथक डिवीजन बनाये जाने की आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो यह कब बनाया जायेगा;

(ग) यदि नहीं, तो क्या यह डिवीजन बनाये जाने की आवश्यकता सुनिश्चित करने के लिए कोई अध्ययन किया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी. के जाफर शरीफ): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) जी हां।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

बरेली-कासगंज लाइन पर चलने वाली गाड़ियों को फिर से चलाया जाना

*796. **श्री जयपाल सिंह कश्यप:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पूर्वोत्तर रेलवे में बरेली-कासगंज रेल लाईन पर तीन वर्ष पूर्व कितनी अप और डाउन गाड़ियां चलती थीं और इस समय कितनी अप और डाउन गाड़ियां चल रही हैं तथा कितनी बंद कर दी गई हैं;

(ख) शेष को कब तक पुनः चलाया जायेगा;

(ग) क्या बदायूं-बरेली लाईन पर चलने वाले हजारों छात्रों तथा सरकारी कर्मचारियों और अन्य दैनिक यात्रियों को इन गाड़ियों के बन्द कर दिये जाने के कारण बहुत कठिनाई हो रही है और उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रबंध किये जाने का विचार है; और

(घ) क्या सरकार का विचार उन छात्रों और सरकारी कर्मचारियों की सुविधा के लिये जिनके पास वहां पर कोई अन्य वैकल्पिक परिवहन साधन नहीं है, बरेली-कासगंज लाईन पर कोई नई रेलगाड़ी चलाने का है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी. बी. जाफर शरीफ): (क) और (ख). तीन वर्ष पूर्व बरेली और कासगंज के बीच पांच जोड़ी यात्री गाड़ियां चलती थीं। अब भी वहां से पांच जोड़ी गड़ियां चल रही हैं। परन्तु दो जोड़ी गाड़ियां अर्थात् 61/62 और 105/106 यात्री गाड़ियां, उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड द्वारा बिजली की भारी कटौती के कारण 12.3.80 और 14-5-80 से बंद रहीं जिसका दुष्प्रभाव कासगंज और बरेली सिटी शेडों से रेल इंजनों की उपलब्धता पर पड़ा।

बिजली की स्थिति में मामूली सुधार होने और डीजल जनित्र सेट लगाये जाने से 15-7-80 से एक जोड़ी गाड़ियों को फिर से चलाया जाना संभव हो गया। जैसे ही स्थिति में आगे सुधार होगा दूसरी जोड़ी गाड़ियों को भी फिर से चालू कर दिया जायेगा।

(ग) 61/62 कानपुर-अनवरगंज-कासगंज फास्ट पैसेंजर को फिर से चलाये जाने से, बरेली-बदायू खंड पर विद्यार्थियों और अन्य दैनिक यात्रियों की आवश्यकता पहले से ही पूरी की जा रही है।

(घ) जी नहीं।

Shifting of Railway Service Commission

6212. SHRI CHINTAMANI JENA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the State Government of Orissa have submitted a proposal for shifting Railway Service Commission to Orissa and proposal was turned down on financial consideration;

(b) if so, when;

(c) if the Union Government have given indication to the State Government of Orissa for setting up a Railway Service Commission's Sub-Office in Orissa;

(d) if so, the action taken by the Union Government so far; and

(e) the expenditure to be incurred?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (d). A proposal for shifting the Railway Service Commission at Calcutta to a place in Orissa was received in 1971, but was not accepted. A proposal for setting up a Sub-office was also considered but was kept in abeyance due to difficult financial position. It will be reviewed again now.

(e) Approximately Rs. 45,000 per year.

Railway quarters at Kosi-Kalan station

6213. SHRI DAYA RAM SHAKYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that number of railway quarters at Kosi-Kalan station on New Delhi-Mathura line had been declared abandoned; and

(b) if so, why railway employees are allowed to live in these quarters?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b). Sixteen units of quarters at this station were not considered fit for residence on account of their age and condition. Notices were, therefore, served on the railway employees residing therein to vacate the same and temporary accommodation was offered to them in lieu. They, however, refused to vacate the old quarters and are continuing to reside therein. Replacement of the old quarters by new ones will be taken up on a programmed basis. Meanwhile, action is being taken for temporary strengthening of the old quarters.